वीयू– द्वारा मंडला के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में पशु बांझपन शिविर एवं जागरूकता गोष्ठी का आयोजन

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. एस.पी. तिवारी के मार्गदर्शन में एवं अधिष्ठाता डॉ. राजेश कुमार शर्मा के निर्देशानुसार ग्राम नारायणगंज विकासखंड–नारायणगंज, जिला–मंडला में अनुसूचित जनजाति उपयोजना अंतर्गत पशु बांझपन निवारण शिविर, पशु प्रदर्शनी, पशु उपचार शिविर एवं जागरूकता संघोष्टी का आयोजन दिनांक 24. 02.2024 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली एवं नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि माननीय आशाराम भारतीय जी, जनपद अध्यक्ष नारायणगंज थे, इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज मिश्र जी, मंडल अध्यक्ष नारायणगंज, डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता, पशु चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर एवं डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर से मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

अनुसूचित जनजाति उपयोजना के उक्त कार्यक्रम में लगभग 215 पशुओं की जांच, एवं बीमार पशुओं का इलाज किया गया। साथ ही 300 हितग्राहियों को दवाइयां एवं भोजन भी वितरित किया गया।

एक दिवसीय प्रशिक्षण के अंतर्गत विषय विशेषज्ञ डॉ. अमिता तिवारी, डॉ. श्यामांतक मणि त्रिपाठी, डॉ. वंदना गुप्ता, डॉ. शशि प्रधान, डॉ. महेश गुप्ता, डॉ. राजकुमार पटेल, डॉ. हरी आर, डॉ. माधुरी धुर्वे योजनाएं पर व्याख्यान दिए गए। जूनियर डॉ., देवेश उपाध्याय, आशीष, एवं विजय और अन्य के विशेष सहयोग से इस शिविर एवं संगोष्ठी का संचालन किया गया।

इस शिविर में पशु पालकों को उद्यमिता विकास हेतु प्रेरित किया गया। शिविर में प्रदान संस्था के पशुपालक एवं सिकोशी, गाडर, कुम्हा, बबलिया एवं देवहर की कृषकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। उक्त कार्यक्रम में गाडर की सावनी बाई ने अपनी सफलता की कहानी सुनाई जिसमे उन्होंने 40 चूजों से 15000 रुपए की आमदनी का जिक्र किया जो की उनके लिए बहुत सहायक हुई। झनक लाल ने बकरी पालन की सफलता की कहानी सुनाई। कृषकों में पशुपालन के प्रति अलग ही नजरिए का संचार हुआ।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर